ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 05-07-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-07-05 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-07-06	2022-07-07	2022-07-08	2022-07-09	2022-07-10
वर्षा (मिमी)	0.0	3.0	5.0	10.0	12.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	34.0	35.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	28.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	70	75	80	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	40	40	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	12.0	8.0	8.0	12.0
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	8	8	8	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (28 जून- 4 जुलाई , 2022) में 82.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहा तथा हल्के से घने बादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 28.6 से 36.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 24.3 से 28.7 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 78 से 92 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 58 से 80 प्रतिशत एवं हवा 1.8 से 13.3 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व-उत्तर-पूर्व व पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, हल्की वर्षा होने की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 33.0 से 35.0 व 25.0 से 28.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-12.0 किमी/घंटे की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 10 से 16 जुलाई के दौरान राज्य में वर्षा, अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| उत्तराखंड जिले में मानसून का आगमन हो गया है अतः मानसून की पहली बारिश में पशुओं को न भीगने दें ताकि उन्हें त्वचा सम्बन्धी विकार न हों।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। किसान भाई धान की रोपाई से पूर्व खेत मे सिंचाई के लिए नाली तथा जल निकास की समुचित व्यवस्था करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	फसल की रोपाई इस माह में समाप्त कर लें। धान की पौधशाला मे पौध उखाड़ने से 24 घंटा पहले 4-6 सेमी0 पानी भरना चाहिए। एक-एक पौध को सावधानी से उखाड़े तथा जड़ की धुलाई कर उसकी अविलम्ब रोपाई करे। खेत मे कीचड़ बनाना शुरु करने से 15 दिन पहले खेत की सिंचाई करें ताकि खरपतवारो का जमाव हो जाये। फिर खेत मे कीचड़ बनाने से 10-12 घंटा पहले पानी भर कर ट्रकटर में केज व्यूल तथा खुटी दार हैरो से 2-3 बार जुताई करे। पाटा लगाकर खेत को समतल करे। लेव लगाने के 10-15 घंटे बाद रोपाई करें।
मक्का	मक्का की बुवाई जुलाई प्रथम पक्ष तक सुनिश्चित करें तथा मेंड़ों पर बुवाई करें। बुवाई से पूर्व बीज को उपचारित कर लें।
सोयाबीन	भावर एवं तराई में, सोयाबीन की बुवाई पूर्ण करे। बीज दर 75किग्रा/है0 रखें। बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें।
मूँग	मूँग की बुवाई करें। खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।
काला चना	उर्द की फसल की बुवाई करें। खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।
गन्ना	गन्ने की फसल में जलभराव वाले खेतों में जल निकास की व्यवस्था करें| माह के प्रथम सप्ताह में जड़ों पर हल्की मिट्टी चढ़ायें। फसल बढ़वार अच्छी होने पर 5 फीट की ऊंचाई पर बंधाई कर लें।
भिण्डी	वर्षाकाल में 10-12 किग्रा भिण्डी के बीज की आवश्यकता होती है। बोने से पहले बीज का उपचार कवकनाशी दवा से करें बीज बुवाई की दूरी कतार से कतार 60 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी रखें तथा शेष पौधों को उखाड़ दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	किसान भाई बैंगन की रोपाई करें।
कद्दू	कद्दु वर्गीय फसलों की पत्तियो पर अनियमित आकार में पीले धब्बे दिखाई पड़ने पर पत्तियो को उलटकर निरीक्षण करें यदि निचली सतह पर हल्के धूस रंग की फॅफूदी की बढ़वार दिखाई दे तो नियत्रंण के लिए मेन्कोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।
मिर्च	मिर्च की फसल में ऊपर से डन्ठल काले पड़कर सूखने की समस्या की निदान हेतु संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा दें एवं फल सड़न की समस्या हेतु कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकि इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें।